हम उसका जवाब दे सकें? क्या इसके बारे में कोई इंतजाम सोचा है ?

شری عبدالغنی دار : وزیر صاحب نے ایک سوال کے جواب میں فرمایا ہے کہ کچھہ ایر فورس کے افسروں کے خلاف ہوم منسٹری انکوائری کر رہی ہے - کیا وزیر صاحب بتائیں گے کہ وہ کتنے افسر ہیں جن کے خلاف ہوم منسٹری کسی خاص کیس میں انکوائری کر رہی ہے ساتھہ ہی میں جاننا چاہتا ہوں کہ آگے کو ایسا خطرہ پیدا نہ ہو اور ہمیں کسی بھی افسر کے خلاف انکوائری کرنی پڑے - اس کے لئے سرکار کیا کر رہی ہے - ابھی تک تو یہ الزام ہی ہے - سچ ثابت نہیں ہوا ہے -

کیا ڈفنس منسٹر صاحب نے کوئی ایسا انتظام بھی کیا ہے جب کہ وہ یہ جانتے ہیں کہ امریکہ وہاں اڈا قائم کر رہا ہے - چین ان کو مدد دے رہا ہیں - رشیا کی ان کی طرف نگاہ کرم ہو رہی ہے تاکہ اگر حملہ ہو جائے تو ہم اس کا جواب دے سکیں - کیا اس کے بارے میں کوئی انتظام سوچا ہے -]

Mr. Speaker: Every question is so involved that it does not look like a question at all. We have already spent about 40 minutes on this one question.

Shri Swaran Singh: We feel greatly concerned that citizens of our own country should be so unpatriotic as to convey information of this nature for a paltry amount. That is a subject matter for investigation; I would not like to go into the matter. We have been greatly concerned about it and we have taken several corrective measures to tighten up the security measures.

Pension Cases of Armed Personnel

***1323. Shri Ram Kishan Gupta:** Will the Minister of Defence be pleased to state:

(a) whether it is a fact that unusual delay is involved in the preparation of pension cases of armed personnel; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to expidite the preparation of pension cases?

The Minister of State in the Ministry of Defence (Shri B. R. Bhagat): (a) Normally, no unusual delay is involved in the prepartion of pension cases of Armed Forces personnel.

(b) Orders have been issued enjoining upon all officers dealing with pension claims that they shall do everything in their power to prevent or reduce to the utmost possible extent, delays in the grant of pension. Specific cases of delay which come to notice, are investigated and remedical measures are taken.

Shri Ram Kishan Gupta: May I know the least and the longest time required to finalise pension cases?

Shri B. R. Bhagat: Normally the rule says that all pension cases may be finalised two months before the actual date of retirement. But, in some cases, because of the documentation not being ready or some other reason, some time is taken. The last sample survey shows that 70 per cent of the cases are finalised before the total number of cases in a year were date of retirement.

Shri Ram Kishan Gupta: May I know how many cases are pending?

Shri B. R. Bhagat: For example, the last census taken was on 31st March 1966 when an analysis of about 3,000 pending cases was made and that showed that only 9 per cent of the total number of cases in a year were in arrears.

श्रीमती जयाबेन शाह : हिन्दुस्तान-पाकिस्तान कनफ्लिक्ट में जो हमारे जवान और अफसर शहीद हुए थे उनमें से क्या कोई ऐसे केसिस बाकी हैं कि जिन में नियमों के

मुताबिक जो देना चाहिये था आज तक नही दिया गया है ? मैं जानना चाहती हूँ कि इस तरह के कितने केसिस होंगे और उनका कब तक निपटारा हो जायेगा ?

श्री ब० रा० भगत : उनके लिए तो खास तौर पर लिबरल स्कीम बनाई गई थी . . . .

Some hon. Members *rose—*

Mr. Speaker: Next question.

Shri Jyotirmoy Basu: Just one question, Sir

Mr. Speaker: No, Please

श्री तुलसी दास जाधव : अध्यक्ष महोदय, सवाल का जवाब तो मिल जाना चाहिये । वह भी नही मिला है ।

Shri B. R. Bhagat: I said that we took special care of all those cases

Shrimati Sucheta Kripalani: She asked for the number of people

Mr. Speaker: No, please Next question

मंत्रालयो का पुनर्गठन

*1325. श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या मत्रालयो का पुनर्गठन करने का कोई प्रस्ताव इस समय विचाराधीन है, और

(ख) यदि हा, तो इस काम के किस प्रकार तथा कब तक किये जाने की सभावना है ?

The Deputy Minister (Dr Sarojini Mahishi) (a) No Sir

(b) Does not arise

श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : क्या सरकार ने प्रशासनिक सुधार आयोग से यह जानने की कोशिश की है कि इसको अपनी रिपोर्ट देने मे इतनी देर क्यो हो रही है क्योकि मत्रालयो मे व मंत्रियो में इस बात को लेकर गलतफहमी है और चिन्ता है और इसके कारण उनका काम भी ठीक ढग से नही चल रहा है ? यदि जानने की कोशिश की है तो प्रशासनिक सुधार आयोग ने इस सम्बन्ध में क्या कहा है ?

डा० सरोजिनी महिषी : माननीय सदस्य को जो जानकारी है वह गलतफहमी पर आधारित है । गलतफहमी कुछ नही है । देर तो थोडी हो रही है लेकिन कोशिश हो रही है कि जल्दी से जल्दी रिपोर्ट वह दे दे ।

श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : मैं जानना चाहता हूं कि क्या प्रधान मंत्री ने इस बात पर भी विचार किया है कि मत्रियो की सख्या को कम किया जाये ? क्या यह सही नही है कि अगर ऐसा किया गया तो इसका देश की परिस्थितियो पर अच्छा असर पडेगा ? क्या कोई कटौती करने का विचार किया जा रहा है ?

प्रधान मत्री तथा अणु शक्ति मत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : अच्छा असर हो या बुरा असर हो, यह तो एक जजमेंट की बात है ।

Shri Nath Pai: Has the Prime Minister's attention been drawn to reports in, what is called, usually reliable circles that she is contemplating both a resuffling and an expansion of the Cabinet and that the opportune time is the adjournment of Parliament? How far are those reports correct?

Shrimati Indira Gandhi: In reply to the main question I have said, "No"

श्री नाथपाई : मैंने सवाल यह उठाया था कि अखबारो मे बार बार ये खबरे छप रही है कि आपका यह खयाल है कि जब यह अधिवेशन मुल्तवी हो जायेगा उसके बाद आप मत्रिमडल के विस्तार का विचार रखती हैं । मैं जानना चाहता हू कि इसमें कहा तक सच्चाई है ?

श्रीमती इन्दिरा गांधी : अखबार वाले कहा से अपनी खबरे लेते हैं यह तो आप सभी को मालूम होगा .

श्री बलराज मधोक : आपकी तरफ से दी जाती हैं ।